



USTAD AHMED HUSSAIN

Ustad Ahmed Hussain is a foremost exponent of Ghazal format of music. He alongwith his brother Ustad Mohammed Hussain has enthralled music lovers with his melodies.

2. Born on 03rd February 1951 in Jaipur, Ustad Ahmed Hussain's father, Late Ustad Afzal Hussain was a well known musician of his time. Starting his career as a child artist in All India Radio Jaipur in 1959, he honed his skills by following a scrupulous disciplines regimen. Ustad Ahmed Hussain and his brother Ustad Mohammad Hussain sing together. He has successfully carved this own unique and personal style. Despite having completely different voice, they have masterfully blended them together, with characteristic coordination to create a distinct melody of their own. They have chosen to do their compositions in Light Classical Music, there by retaining the intrinsic purity of the form. The musical combination of beautiful lyrics and their dulcet voices has enabled them to leave indelible mark on the heart and souls of ghazal listeners everywhere. Today, they have to their credit, 80 ghazal albums, Guldasta, Shraddha Bhawna, Noor-E-Islam, Ek Hi Saroop (ShabadKeertan), KhyaleYaar, Hum Khyaal and others. They have also performed the program for the cause of the help of the cancer patients, physically handicapped and thalesemia patients without any charge.

3. Ustad Ahmed Hussain has participated in Silver and Golden Jubilee Programme celebrated by Amir Khusro Foundation at Delhi and Darshak Sanstha Jaipur and Srijan Sanskritik Sanstha. He has also participated as Judges of Music Audition Board, All Indian Radio New Delhi and Rajasthan University Jaipur, Sare Ga Ma, Zee TV, AdaabArz - Sony TV, Ghazal Sara, ETV Urdu Rajasthan.

4. Ustad Ahmed Hussain has been honoured with several awards such as Rajasthan Sangeet Natak Academy Award by Chief Minister of Rajasthan (1999-2000) and Central Sangeet Natak Academy Award by Hon'ble President of India in Delhi (2016-2017). He has also received titles viz. Shahsha-E-Ghazal, Bhajan Samraat, Roohe Ghazal.



उस्ताद अहमद हुसैन

उस्ताद अहमद हुसैन गजल गायिकी के प्रमुख कलाकार हैं। वह अपने भाई उस्ताद मोहम्मद हुसैन के साथ मिलकर अपनी गायिकी से संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करते आ रहे हैं।

2. 03 फरवरी, 1951 को जयपुर में जन्मे, उस्ताद अहमद हुसैन के पिता स्वर्गीय उस्ताद अफजल हुसैन अपने समय के प्रतिष्ठित संगीतकार थे। उन्होंने 1959 में आकाशवाणी जयपुर में बाल कलाकार के रूप में अपने संगीत करियर की शुरुआत की और कड़े अनुशासन से अपने संगीत कौशल को निखारा। उस्ताद अहमद हुसैन और उनके भाई उस्ताद मोहम्मद हुसैन साथ-साथ गाते हैं। उन्होंने सफलतापूर्वक अपनी एक अनूठी और खास शैली विकसित की है। पूरी तरह अलग आवाज होने के बावजूद, उन्होंने गायिकी में शानदार संगत की है। उन्होंने सुगम शास्त्रीय संगीत में अपनी संगीत रचनाएं तैयार करके संगीत की शुद्धता बरकरार रखी है। उन्होंने सुंदर बोल और सुरीली आवाज के साथ युगल गायिकी से हर गजल प्रेमी के दिलों-दिमाग पर अमिट छाप छोड़ी है। अब तक उनकी गजलों के 80 एलबम जैसे गुलदस्ता, श्रद्धा भावना, नूर-ए-इस्लाम, एक ही सरूप (शब्द कीर्तन), खयाले यार, हम खयाल और अन्य एलबम जारी हो चुके हैं। उन्होंने कैंसर रोगियों और दिव्यांगों तथा थैलेसीमिया रोगियों की सहायताार्थ आयोजित कार्यक्रमों में भी निःशुल्क प्रस्तुतियां दी हैं।

3. उस्ताद अहमद हुसैन ने दिल्ली में अमीर खुसरो फाउंडेशन द्वारा आयोजित रजत और स्वर्ण जयंती कार्यक्रम तथा दर्शक संस्था जयपुर और सृजन सांस्कृतिक संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया है। उन्होंने आकाशवाणी नई दिल्ली के संगीत ऑडिशन बोर्ड और राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, सा रे गा मा, जी टीवी, आदाब अर्ज, सोनी टीवी, गजल सारा, ईटीवी उर्दू राजस्थान में निर्णायक की भूमिका भी निभाई है।

4. उस्ताद अहमद हुसैन को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है जिनमें राजस्थान के मुख्यमंत्री द्वारा राजस्थान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1999-2000) और दिल्ली में भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया गया संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (2016-2017) शामिल हैं। उन्हें शहंशाह-ए-गजल, भजन सम्राट, रूहे गजल जैसी उपाधियों से भी अलंकृत किया गया है।



USTAD MOHAMMED HUSSAIN

Ustad Mohammad Hussain is a foremost exponent of Ghazal format of music. He alongwith his brother Ustad Ahmed Hussain has enthralled music lovers with his melodies.

2. Born on 2nd December 1953 in Jaipur, Ustad Mohammad Hussain's father, Late Ustad Afzal Hussain was a well known musician of his time. Starting his career as a child artist in All India Radio Jaipur in 1959, he honed his skills by following a scrupulous disciplines regimen. Ustad Mohammad Hussain and his brother Ustad Ahmed Hussain sing together. He has successfully carved this own unique and personal style. Despite having completely different voice, they have masterfully blended them together, with characteristic coordination to create a distinct melody of their own. They have chosen to do their compositions in Light Classical Music, there by retaining the intrinsic purity of the form. The musical combination of beautiful lyrics and their dulcet voices has enabled them to leave indelible mark on the heart and souls of ghazal listeners everywhere. Today, they have to their credit, 80 ghazal albums, Guldasta, Shraddha Bhawna, Noor-E-Islam, Ek Hi Saroop (ShabadKeertan), KhyaleYaar, Hum Khyaal and others. They have also performed the program for the cause of the help of the cancer patient and physically handicapped and thalesemia patients without any charge.

3. Ustad Mohammad Hussain has participated in Silver and Golden Jubilee Programme celebrated by Amir Khusro Foundation at Delhi and Darshak Sanstha Jaipur and Srijan Sanskritik Sanstha. He has also participated as Judges of Music Audition Board, All Indian Radio New Delhi and Rajasthan University Jaipur, Sare Ga Ma, Zee TV, AdaabArz - Sony TV, Ghazal Sara, ETV Urdu Rajasthan.

4. Ustad Mohammad Hussain has been honoured with several awards such as Rajasthan Sangeet Natak Academy Award by Chief Minister of Rajasthan (1999-2000) and Central Sangeet Natak Academy Award by Hon'ble President of India in Delhi (2016-2017). He has also received titles viz. Shahsha-E-Ghazal, Bhajan Samraat, Roohe Ghazal.



उस्ताद मोहम्मद हुसैन

उस्ताद मोहम्मद हुसैन गजल गायिकी के प्रमुख कलाकार हैं। वह अपने भाई उस्ताद अहमद हुसैन के साथ मिलकर अपनी गायिकी से संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करते आ रहे हैं।

2. 02 दिसंबर, 1953 को जयपुर में जन्मे, उस्ताद मोहम्मद हुसैन के पिता स्वर्गीय उस्ताद अफजल हुसैन अपने समय के प्रतिष्ठित संगीतकार थे। उन्होंने 1959 में आकाशवाणी जयपुर में बाल कलाकार के रूप में अपने संगीत करियर की शुरुआत की और कड़े अनुशासन से अपने संगीत कौशल को निखारा। उस्ताद मोहम्मद हुसैन और उनके भाई उस्ताद अहमद हुसैन साथ-साथ गाते हैं। उन्होंने सफलतापूर्वक अपनी एक अनूठी और खास शैली विकसित की है। पूरी तरह अलग आवाज होने के बावजूद, उन्होंने गायिकी में शानदार संगत की है। उन्होंने सुगम शास्त्रीय संगीत में अपनी संगीत रचनाएं तैयार करके संगीत की शुद्धता बरकरार रखी है। उन्होंने सुंदर बोल और सुरीली आवाज के साथ युगल गायिकी से हर गजल प्रेमी के दिलों-दिमाग पर अमिट छाप छोड़ी है। अब तक उनकी गजलों के 80 एलबम जैसे गुलदस्ता, श्रद्धा भावना, नूर-ए-इस्लाम, एक ही सरूप (शब्द कीर्तन), खयाले यार, हम खयाल और अन्य एलबम जारी हो चुके हैं। उन्होंने कैंसर रोगियों और दिव्यांगों तथा थैलेसीमिया रोगियों की सहायता के आयोजित कार्यक्रमों में भी निःशुल्क प्रस्तुतियां दी हैं।

3. उस्ताद मोहम्मद हुसैन ने दिल्ली में अमीर खुसरो फाउंडेशन द्वारा आयोजित रजत और स्वर्ण जयंती कार्यक्रम तथा दर्शक संस्था जयपुर और सृजन सांस्कृतिक संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया है। उन्होंने आकाशवाणी नई दिल्ली के संगीत ऑडिशन बोर्ड और राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, सा रे गा मा, जी टीवी, आदाब अर्ज, सोनी टीवी, गजल सारा, ईटीवी उर्दू राजस्थान में निर्णायक की भूमिका भी निभाई है।

4. उस्ताद मोहम्मद हुसैन को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है जिनमें राजस्थान के मुख्यमंत्री द्वारा राजस्थान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1999-2000) और दिल्ली में भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया गया संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (2016-2017) शामिल हैं। उन्हें शहंशाह-ए-गजल, भजन सम्राट, रूहे गजल जैसी उपाधियों से भी अलंकृत किया गया है।